Golden Research Thoughts
International Recognition Multidisciplinary Research Journal

ISSN 2231-5063 Impact Factor : 3.4052 (UIF) Volume - 5 | Issue - 7 | Jan - 2016

भारत में किसानो की आत्महत्या

प्राचार्य डॉ.जे.एस.भोयर
संशोधक , कै.बाबुराव पाटील कला विज्ञान महाविद्यालय हिंगोली.

प्रस्तावना :-

आज किसान मरणे के कगार पर खडा है ! ऋण राहत के पॉकेज जाहीर करके भी आत्महत्या रूक नही रही है ! डॉ. स्वामीनाथन के अनुसार भारतीय कृषी व्यवस्था में कुछ भी आत्महत्या रूक नही रही है ! अगर कृषी क्षेत्र में गलती हो रही है तो किसी भी क्षेत्र क अच्छा नही हो सकता ! आज 40 प्रतिशत किसान अच्छा काम मिलने पर खेती छोडने के लिए तैयार है ! भारत में किसानो आत्महत्या 1990 के बाद पैदा हुई स्थिती है ! 1997 से 2006 के बीच 166304 किसानो ने आत्महत्या की ! भारतीय कृषी बहुत हद तक मान्सून पर निर्भर है तथा मान्सून की अनिश्चितता के कारण नगदी फसले नष्ट हो जाना किसानो व्दारा आत्महत्या करणे का मुख्य कारण है ! सरकार की तमाम कोशिशो और दावों के बावजूद कर्ज के के बोझ तले दबे किसानो की आत्महत्या का सिलसिला रूक नही रहा है ! देश में हर महिने 70 से अधिक किसान आत्महत्या कर रहे है !

संशोधक के उद्देश

1. भारतीय किसानो के आत्महत्या के स्थिती का अध्ययन करना !
2. भारतीय किसानो के आत्महत्या के कारणो का पता लगाना !
3. किसानो की आत्महत्या रोकने के लिए उपाय सुझाना !

संशोधन पध्दती

इस शोध निबंध में दुय्यम सामग्री का उपयोग किया गया है ! जिस में मुख्य तोर पर मासिक सरकार के विभिन्न अहवाल और वेबसाईड के उपयुक्त आकडो का आधार लिया है !

भारती में किसानो के आत्महत्या की संख्या

साल	कुल किसानो की आत्महत्या
1995	10720
1996	13729
1997	13622
1998	16015
1999	16082
2000	16603
2001	16415
2002	17971
2003	17164
2004	18241
2005	17131
2006	17060
2007	16632
2008	16796
2009	17368
2010	15964
2011	14027
2012	13754
2013	11772
2014	12360
2015	12603

Source : Farmer Suiciding in India Wikipedia 2015

उपर्युक्त तालिका से 1995 से 2015 तक प्रतिवर्ष कितने किसानो ने आत्महत्या की इसका पता चलता है ! भारत के राष्ट्रीय अपराध लेखा कार्यालय से प्राप्त आकडो के नुसर सर्वाधिक किसानो की आत्महत्या 2004 में 18241 इतनी रिपोट दर्ज की गई ! साल 2002 मे 17971 किसानो ने आत्महत्या की ! साल 2009 में 17368 किसानो ने आत्महत्या की फिर बाद में किसानो की आत्महत्या कुछ हद तक कम हुई नजर आयी 2010 साल में 15964 किसानो ने आत्महत्या की थी 2013 मे 11772 किसानो आत्महत्या की ! 2014 में 12360 और 2015 साल में 12602 किसानो ने आत्महत्या की थी ! किसानो की आत्महत्या में थोडी बहुत कमी आयी है लेकीन फिर भी जितनी उम्मीद थी उतनी कमी नही आयी ! एक तरफ भारत तरकी कर रहा है और दुसरी तरफ किसान हजारो की संख्या में आत्महत्या कर रहें है यह बहुत गंभीर समस्या है !

भारत के विभिन्न राज्य में किसानो की आत्महत्या 2012

राज्य	कुल किसानो की आत्महत्या	राज्यो मे किसानो की आहत्या प्रति एक लाख जनसंख्या	किसानो की आत्महत्या का का कुल जनसंख्या से प्रति□ात
महाराष्ट्र	3786	3.3	23.50
आन्ध्र प्रदेश	2572	3.0	18.10
कर्नाटक	1875	3.12	14.70

मध्यप्रदेश	1172	1.59	12.00
केरल	1081	3.09	12.00
उत्तर प्रदेश	745	0.37	16.80
गुजरात	564	0.94	07.90
तामिलनाडू	499	3.73	2.90
असाम	344	1.11	10.50
हरियाणा	276	1.06	9.80
राजस्थान	270	0.39	5.60
ओडिशा	146	0.35	2.90
झारखण्ड	119	0.37	9.00
पंजाब	75	0.27	7.30
बिहार	68	00	9.00
हिमाचल प्रदेश	29	0.42	5.50
सिक्कीम	19	3.05	10.50
त्रिपुरा	18	0.49	2.10
उत्तराखण्ड	14	0.14	3.30
अरूणाचल प्रदेश	11	0.87	8.50
मेघालय	10	0.38	7.80
मिझोरम	10	0.98	5.80
जम्मु और कश्मिर	10	0.1	2.40
छत्तीसगढ	04	00	0.10
गोवा	01	00	0.30

Source : Farmer Suiciding in India Wikipedia 2015

उपर्युक्त तालिका से पता चलता है की सबसे ज्यादा आत्महत्याएँ महाराष्ट्र, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश और केरल इन 5 राज्यों मे दर्ज हुई है ! साल 2012 में सर्वाधिक आत्महत्या महाराष्ट्र में 3786 किसानो ने की थी ! आन्ध्र प्रदेश में किसानो की आत्महत्या के आत्महत्या की संख्या 2572 थी ! कनार्टक में 1875 मध्यप्रदेश में 1172 और केरल मे 1081 किसानो ने आत्महत्या की थी ! मेघालय मे 10 मिझोरम में 10 जम्मू और कश्मीर में 10 छत्तीसगट में 4 सबसे कम किसानो के आत्महत्या की संख्या गोवा में है !

प्रति एक लाख जन संख्या में किसानो के आत्महत्या की दर भी महाराष्ट्र में सर्वाधिक 3.3 है ! आन्ध्रप्रदेश में प्रति एक लाख जनसंख्या में किसानो के आत्महत्या की दर 3 है ! कर्नाटक में 3.12 है केरल मे 3.09 है. उत्तराखंड में 0.14 है ! और सबसे कम प्रति एक लाख जनसंख्या में किसानो के आत्महत्या की दर जम्मू और कश्मीर में 0.01 है !

किसानो की आत्महत्या का कुल आत्महत्या से प्रतिशत सबसे ज्यादा महाराष्ट्र मे 23.50 प्रतिशत है ! उसके बाद आन्ध्रप्रदेश में 18.10 प्रतिशत है ! कर्नाटक में 14.70 प्रतिशत है ! मध्यप्रदेश में 12 प्रतिशत केरल में 12.70 प्रतिशत है ! उत्तर प्रदेश में 16.80 प्रतिशत है ! सबसे कम किसानो की आत्महत्या का कुल आत्महत्या से प्रतिशत छत्तीसगढ में 0.10 प्रतिशत है ! गोवा में किसानो की आत्महत्या का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 0. 30 है !

भारत में किसानो की आत्महत्या 2012

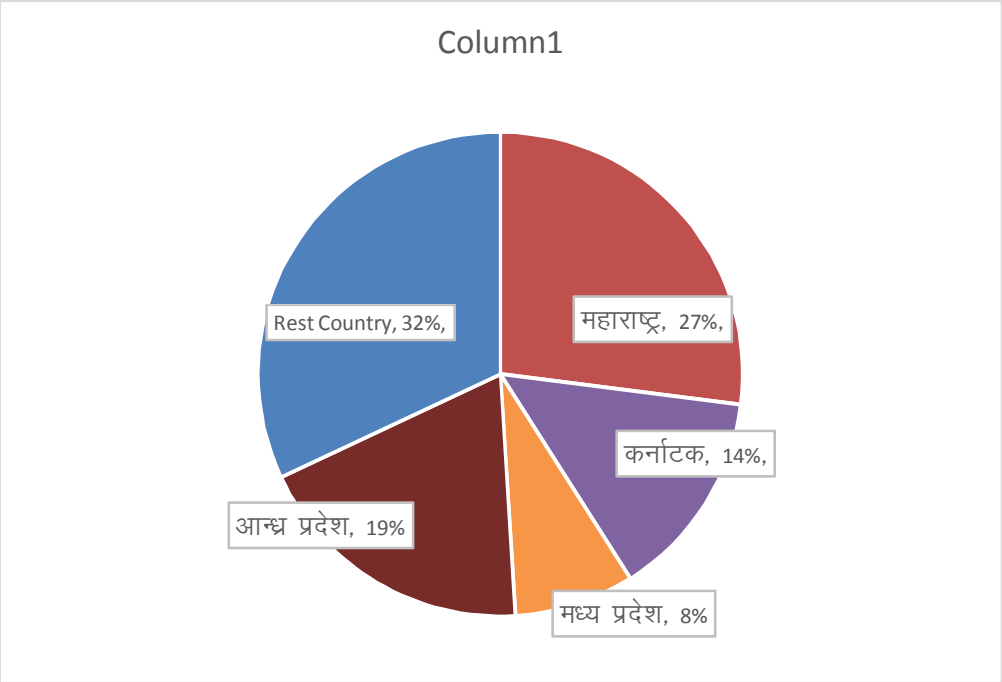

उपर्युक्त चार्ट से यह पता चलता है की देश में जितने किसानो ने आत्महत्या की है उनमें से महाराष्ट्र मे 27% मध्यप्रदेश 8%, आन्ध्रप्रदेश 19%, और कर्नाटक राज्य में 14% किसानो ने आत्महत्या की भारत में कुल आत्महत्या किए गये किसानो में से इन चार राज्यो में ही 68% किसानो ने आत्महत्या की है बाकी बचे हुए राज्यों में 32% किसानो ने आत्महत्या की है !

किसानो के आत्महत्य के कारण

भारत में किसान प्रतिवर्ष दस हजार से अधिक आत्महत्या करते है इतनी बडी संख्या में किसान आत्महत्या क्यो करते है इसके कारण निचे दिए गए है !

1. किसानो की ऋण का भूगदन करने में असमर्थता
2. सूखे और बाढ जैसे अनियमित मौसम के कारण फसलो का नुकसान होता है जिस वजह से उत्पादन कही बार इतना कम होता है की उत्पादन का खर्च भी नही निकल पाता !
3. भारत में सिंचाई की सुविधा बहुत कम है ! ज्यादातर किसान खेती के लिए वर्षा पर निर्भर रहते है यदि बारिश वक्त पर नही हुई तो फसल पुरी बरबाद हो जाती है !
4. बिजली के पूर्ति में कमी के कारण कृषी में उत्पादन कम होता हैं !
5. खाद, बीज, कीटकनाशक आदि के किंमतो में वृध्दी के कारण शुध्द आय दिनबदिन कम होती जा रही है !
6. विकसित देश कृषी के लिए 44% से 70% अनुदान देते है ! मगर भारत सिर्फ 4% अनुदान देता है और अनुदान कम होने के कारण किसानो को उत्पादन खर्चा ज्यादा आता है !
7. कृषी उत्पादन को जितनी आधार किंमत दी जाती है वह जितना उत्पादन खर्चा बढता है उसके तुलना में बहुत कम होती है !
8. भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषी क्षेत्र का हिसा 50% से घटकर 22% कम होने पर कृषी के उपर का जनसंख्या का भार कम होना जरूरी था मगर ऐस नही हुआ 68% जनसंख्या जीवन यापन के लिए कृषी पर निर्भर है !
9. भारत में कृषी पुरक व्यवसाय का अभाव है !
10. किसानो को ऋण राहत तो दी जाती है मगर भी बहुत से किसान उससे वंचित रहते है !

11. परिवार की मांगो को पूरा करने में असमर्थतता !
12. कृषी जोतों का छोटा होना !

उपाय

1. किसानो के उत्पादन पर किया हुआ उत्पादन खर्चा पूरा हो सके उतनी आधार किंमत सरकार को तय करनी चाहिए !
2. किसानो के खेतो में सिंचाई सुविधाए बढाने की कोशिश करनी चाहिए !
3. किसानो के फसलो पर होने वाले रोगो का नियंत्रण कैसे करे इसके लिए मार्गदर्शन करना चाहिए !
4. किसानो का उत्पादन और शुध्द आय बढ सके ऐसी सरकारी निती तय करनी चाहिए !
5. बाढ सुखा ऐसी नैसर्गिक आपत्ती के समय हुए नुकसान के लिए नुकसान भरपाई जल्दी देनी चाहिए !
6. किसानो के लिए उन्नत बिजो की पूर्ती की जानी चाहिए !
7. किसानो की व्यवसनाधिनता को कम करने के लिए कुछ मार्गदर्शन पर कार्यक्रम लाना चाहिए !
8. किसानो को कृषी पूरक व्यवसाय करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए !

किसान की आत्महत्या के बाद पूरा परविार उसके असर में आ जाता है ! और बच्चे स्कूल छोडकर खेती के कामो में हाथ बटाने लगते है परिवर को कर्ज विरासत मिलता है और इस बात की आशंका बढ जाती है इस दबाब के कारण परिवार के कुछ अन्य सदस्य कही आत्महत्या ना कर बैठे ! किसान हमारे अन्नदाता है ! उनकी आत्महत्या पुरे राष्ट्र के लिए शर्म की बात है ! सरकार को युध्दस्तर पर किसानो की आत्महत्या रोकने के लिए कोशिश करनी चाहिए !

संदर्भ

1. Farmer Suicides in India Dr. Vandana Shiva
2. Farmer suciding in India Wikipedia 2015
3. Internet Website